सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 14 OCTOBER TO 20 OCTOBER 2020 • VOLUME- 12 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

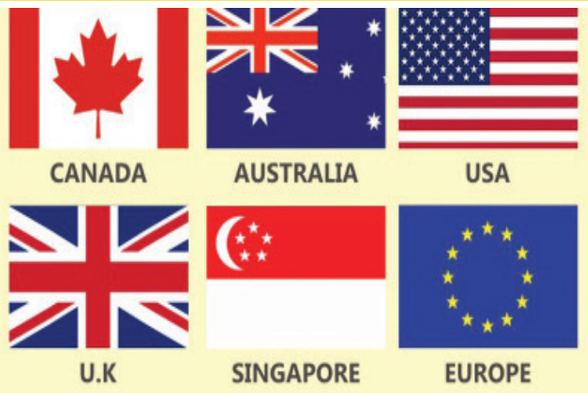

Low Filing Charges &
*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

*T&C apply

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

देश में कोरोना री-इंफेक्शन के इतने केस मिले,आईसीएमआर ने दी जानकारी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

देश में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अब तक कोरोना से 71 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं. हालांकि राहत की बात यह है कि करीब 62 लाख लोग संक्रमण से मुक्त भी हो चुके हैं. इसी बीच इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के डायरेक्टर जनरल ने मंगलवार को जानकारी दी कि देश में अब तक कोरोना री-इंफेक्शन के 3 मामले सामने आए हैं। री-इंफेक्शन के 2 मामले मुंबई, जबकि 1 मामला अहमदाबाद में मिला है। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में कोरोना के री-इंफेक्शन के अब तक कुल 24 मामले सामने आए हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ अभी तक यह तय

नहीं कर पाया है कि री-इंफेक्शन 100 दिनों के बाद हुआ या 90 दिनों के बाद. उन्होंने कहा कि वे फिलहाल इस अवधि को 100 दिन मान रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- संक्रमण की दर में कमी आई

स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि देश में फिलहाल कोविड-19 के 8,38,729 एक्टिव केस हैं. इनकी संख्या लगातार पांचवें दिन 9 लाख से नीचे बनी हुई है। मंत्रालय के मुताबिक कोविड-19 से संक्रमित होने की औसत दैनिक दर 9 सितम्बर से 15 सितम्बर के बीच 8.50 प्रतिशत थी, जो 7 अक्टूबर से 13 अक्टूबर के बीच कम होकर 6.24 प्रतिशत हो गई है. संक्रमण की कुल, साप्ताहिक और प्रतिदिन की दरों में कमी आई है और यह क्रमश: 8.07 प्रतिशत, 6.24 प्रतिशत और 5.16 प्रतिशत है।

कोरोना से सबसे ज्यादा मौतें 60 या इससे अधिक उम्र के लोगों की हुई

देश में अब तक कोरोना से 109856 मौतें हो चुकी हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कोरोना से होने वाली मौतों में से करीब 53 प्रतिशत मौत उन मरीजों की हुई है, जिनकी उम्र 60 साल या उससे अधिक थी। करीब 35 प्रतिशत मौतें 45-60 वर्ष आयु समूह के मरीजों और 10 प्रतिशत मौतें 26-44 वर्ष आयु समूह के मरीजों की हुई है।

धार्मिक स्थल खोले जाने का मामला

राज्यपाल को सीएम उद्धव ठाकरे का जवाब- क्या धर्मनिरपेक्षता संविधान का हिस्सा नहीं ?

■ मुंबई/ब्यूरो

कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र में धार्मिक स्थल खोले जाने को लेकर राजनीति शुरू हो गया है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र लिखकर कहा है कि कि राज्य में कोविड-19 संबंधी हालात की पूरी समीक्षा के बाद धार्मिक स्थलों को पुन: खोलने का फैसला किया जाएगा।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कोश्यारी के सोमवार को लिखे पत्र के जवाब में आज पत्र लिखकर कहा कि राज्य सरकार इन स्थलों को पुन: खोलने के उनके अनुरोध पर विचार करेगी। कोश्यारी ने अपने पत्र में कहा था कि उनसे तीन प्रतिनिधिमंडलों ने धार्मिक स्थलों को पुन: खोले जाने की मांग की है।

ठाकरे ने अपने जवाब में कहा कि यह संयोग है कि कोश्यारी ने जिन तीन पत्रों का जिक्र किया है, वे बीजेपी पदाधिकारियों और समर्थकों के हैं।

क्या आप अचानक धर्मनिरपेक्ष हो गए हैं

कोश्यारी आरएसएस से जुड़े रहे हैं और बीजेपी के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा था, ''क्या आप अचानक धर्मनिरपेक्ष हो गए हैं?'' इसके जवाब में ठाकरे ने सवाल किया कि क्या कोश्यारी के लिए हिंदुत्व का मतलब केवल धार्मिक स्थलों को पुन: खोलने से है और क्या उन्हें नहीं खोलने का मतलब धर्मनिरपेक्ष होना है। ठाकरे ने कहा, ''क्या धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं है, जिसके नाम पर आपने राज्यपाल बनते समय शपथ ग्रहण की थी।'' उन्होंने कहा, ''लोगों की भावनाओं और आस्थाओं को ध्यान में रखने के साथ-साथ, उनके जीवन की रक्षा करना भी अहम है। लॉकडाउन अचानक लागू करना और समाप्त करना सही नहीं है।'' बता दें कि बीजेपी और मनसे महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों को खोले जाने की मांग कर रही है। आज बीजेपी ने कई जगहों पर धार्मिक स्थलों को खोले जाने को लेकर प्रदर्शन भी किया।

प्रदूषण पर सियासी घमासान शुरू

केंद्र सरकार पूरे साल सोती रही, अब पूरा उत्तर भारत जूझ रहा है-मनीष सिसोदिया

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

सर्दियों से पहले एक बार फिर दिल्ली में प्रदूषण का मुद्दा गरमा रहा है। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए प्रदूषण की समस्या पर कोई कदम न उठाने की बात कही। सिसोदिया ने कहा कि सर्दियों से पहले उत्तर भारत के कई राज्यों में फसलों के अवशेष और पराली जलाने से प्रदूषण बढ़ जाता है. यह केवल दिल्ली की ही समस्या नहीं है, बल्कि पूरा उत्तर भारत इससे प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर साल भर कोई कदम नहीं उठाया और फिर कुछ बैठकों पर औपचारिकताएं पूरी की। उसके बाद भी केंद्र ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। सिसोदिया ने कहा कि, केंद्र सरकार को उत्तर भारत में प्रदूषण को कम करने के लिए एक भूमिका निभानी होगी। सिसोदिया ने कहा कि इस बार कोरोनावायरस के कारण स्थिति पहले से ही खराब है, ऐसे में प्रदूषण बढ़ने से समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। गौरतलब है कि दिल्ली में कोरोना के मामले 3 लाख को पार कर गए हैं। राहत की बात यह है कि उनमें से बड़ी संख्या में लोग रिकवर भी हुए हैं।

प्रदूषण को लेकर हर साल होता है बवाल

खास बात यह है कि पिछले कई सालों से लगातार दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण गंभीर स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे उत्तर भारत के कई राज्यों में किसानों द्वारा पराली को जलाना बड़ी वजह होता है। पराली को लेकर केंद्र सरकार ने कई नियम भी बनाए हैं, लेकिन इसका कोई ठोस समाधान अब तक नहीं निकला है। ऐसे में दिल्ली सरकार कई सालों से केंद्र सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रही है। वहीं केंद्र सरकार इस मामले में दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराती है।

वित्त मंत्री की घोषणाएं 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया', आर्थिक पैकेज विफल-चिदंबरम

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम राज्यों को 12 हजार करोड़ रुपये के ब्याजमुक्त कर्ज देने समेत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की घोषणाओं को 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' करार देते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार ने अपने 20 लाख करोड़ रुपये के 'तथाकथित आर्थिक पैकेज' की विफलता को स्वीकार किया है। पूर्व वित्त मंत्री ने यह दावा भी किया कि सीतारमण की घोषणाएं कोई प्रोत्साहन पैकेज नहीं, बल्कि आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हुए लोगों को चौंकाने एवं तसल्ली देने की कोशिश भर है। चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा, ''तथाकथित प्रोत्साहन पैकेज के बारे में वित्त मंत्री के बयान को ध्यान से पढ़ने के बाद मुझे हिंदी की कहावत 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया'याद आ गई।'' उन्होंने कहा, ''वित्त मंत्री ने सोमवार को जो बड़ी घोषणाएं कीं वो कोई प्रोत्साहन पैकेज नहीं था। यह आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके लोगों को चौंकाने और यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि लोगों की जरूरत और अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार कदम उठा रही है।'' पूर्व वित्त मंत्री ने दावा किया, ''यह इस बात का ठोस कबूलनामा है कि 20 लाख करोड़ रुपये का तथाकथित आर्थिक पैकेज बहुत बड़ी विफलता था। यह विफल था क्योंकि यह धोखा था।''

सपा सांसद आज़म खान को दो और मामलों में मिली जमानत, लेकिन जेल से रिहाई नहीं, जानिए वजह

■ प्रयागराज/ब्यूरो

रामपुर से सपा सांसद आजम खान, पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दो मामलों में जमानत मिल गई है. यह जमानत बेटे अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के मामले में मिली है। इसके अलावा सरकारी संघ की दुकान आवंटित कराने को लेकर दर्ज मुकदमे में आजम की पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को जमानत मिली है.

90 मामलों में अब तक 86 मामलों में जमानत मिली

बता दें कि एक सितंबर को सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला रिजर्व कर लिया थौ। हालांकि दोनों मामलों में जमानत के बाद भी आजम खां जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे। आजम खान के खिलाफ दर्ज 90 मामलों में अब तक 86 मामलों में जमानत मिल चुकी है. हाईकोर्ट के दो और जिला कोर्ट रामपुर के 2 मुकदमों में जमानत मिलना बाकी है।

अब्दुल्ला आजम के पैन कार्ड और पासपोर्ट के मामलों में हाईकोर्ट के दो मुकदमों में 3 नवंबर को अगली सुनवाई होगौ। जबकि जिला कोर्ट रामपुर में एनिमी प्रॉपर्टी से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी. हाईकोर्ट के आदेश से एनिमी प्रॉपर्टी पर स्टे है। आजम खान पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम सीतापुर जेल में बंद हैं. इस मामले में जस्टिस सिद्धार्थ की एकल पीठ ने आदेश दिया है. आजम खां के वकील सफदर काजमी ने यह जानकारी दी है।

वार्ड नं. 66 के निवासी पिछले पांच साल से गंदा पानी पीने को मजबूर

■ जालंधर/रवि

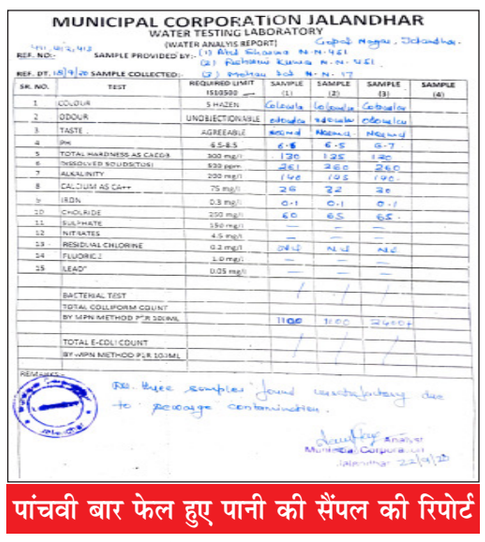

प्रधानमंत्री मोदी दिन रात मेहनत करके लोगों को मूलभूत सुविधाएं दिलवाने के लिए राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ दिन रात बैठकें करते रहते है परन्तु 2020 में कोरोना जैसे महामारी ने साबित कर दिया की हमारा देश कितना पीछे है जहाँ हम मैडिकल बजट की और ध्यान नहीं देते अब उसकी तरफ ध्यान देना शुरू किया परन्तु यह सब देश के अंदर हल्की और होशी राजनीति के परिणाम है ऐसा ही एक उदाहरण जालंधर की राजनीति में भी देखने को मिल रहा है जिसमें वार्ड नं. 66 के पार्षद को आज़ाद जितवाने की सजा इलाका विधायक द्वारा उसके द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों को रुकवाकर नीचा दिखाने का प्रयास पिछले लम्बे समय से किया जा रहा जिसमें लोगों को यह जताया जा रहा की आपने जो उस पार्षद को जितवाकर गलती की है उसकी आप को सजा मिलेगी जिस कारण वर्ष आज पूरे पांच साल से लोग गन्दा पानी पीने को मजबूर है जिसको दूर करने के लिए अफसरों द्वारा ट्यूबवैल का टेंडर लगवाया गया जोकि पास भी हो चुका है परन्तु उस ठेकेदार को काम शुरू करने से रोका गया और अफसर भी डर के मारे उस काम को शुरू नहीं करवाते यह लोकतंत्र की हत्या है और लोगों के मत के अधिकार को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा है और हैल्थ विभाग द्वारा पांच बार लिए गए सैंपल फेल पाए गए है जिस कारण जहाँ लोग कोरोना जैसे महामारी से डर के साये में जी रहे है वहीं इस समस्या ने भी उनको अनेकों बिमारियों से ग्रस्त कर दिया है और वार्ड निवासियों द्वारा सख्त चेतावनी दी गई है कोई भी राजनीतिक पार्टी वार्ड नं 66 में कही वोट मांगने ना आ जाये सवारी अपने सामान की खुद जिम्मेवार हो गई पब्लिक सबक सिखाना जानती है। और जल्द ही इसका हल ना निकाला गया तो माननीय हाईकोर्ट में अफसरों को पार्टी बना कर मुआवजे की मांग की जाएगी।

MUNICIPAL CORPORATION JALANDHAR
WATER TESTING LABORATORY
(WATER ANALYIS REPORT)

REF. NO:- [illegible] SAMPLE PROVIDED BY:- Gopal Nagar, Jalandhar. (1) [illegible] N-N-461 (2) [illegible] N-N-461 (3) [illegible] N-N-17

REF. DT. 18/9/20 SAMPLE COLLECTED:-

SR. NO.	TEST	REQUIRED LIMIT IS10500	SAMPLE (1)	SAMPLE (2)	SAMPLE (3)	SAMPLE (4)
1	COLOUR	5 HAZEN	Colourless	Colourless	Colourless	
2	ODOUR	UNOBJECTIONABLE	odourless	odourless	odourless	
3	TASTE	AGREEABLE	Normal	Normal	Normal	
4	PH	6.5-8.5	6.6	6.5	6.7	
5	TOTAL HARDNESS AS CACO3	300 mg/l	130	135	120	
6	DISSOLVED SOLIDS(TDS)	500 ppm	261	260	260	
7	ALKALINITY	200 mg/l	140	105	190	
8	CALCIUM AS CA++	75 mg/l	26	32	30	
9	IRON	0.3 mg/l	0.1	0.1	0.1	
10	CHOLRIDE	250 mg/l	60	65	65	
11	SULPHATE	150 mg/l	—	—	—	
12	NITRATES	4.5 mg/l	—	—	—	
13	RESIDUAL CHLORINE	0.2 mg/l	Nil	Nil	Nil	
14	FLUORIDE	1.0 mg/l	—	—	—	
15	LEAD	0.05 mg/l	—	—	—	
	BACTERIAL TEST					
	TOTAL COLLIFORM COUNT BY MPN METHOD PER 100ML		1100	1100	2400+	
	TOTAL E-COLI COUNT BY MPN METHOD PER 100ML					

REMARKS:- All three samples found unsatisfactory due to sewage contamination.

Analyst
Municipal Corporation
Jalandhar 22/9/20

पांचवी बार फेल हुए पानी की सैंपल की रिपोर्ट

सेना ने कहा- सैन्य वार्ता में भारत और चीन आपसी मतभेद को विवाद में न बदलने देने पर सहमत हुए

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध के समाधान के लिए भारत और चीन ने सातवें दौर की सैन्य वार्ता की। यह बैठक सोमवार को करीब 13 घंटे चली। बैठक के बाद भारतीय सेना ने कहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के पीछे हटने के मुद्दे पर भारत और चीन के बीच गंभीर, व्यापक और रचनात्मक बातचीत हुई। सेना ने कहा, सैन्य वार्ता में भारत और चीन आपसी मतभेद को विवाद में न बदलने देने और सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति बनाये रखने पर सहमत हुए। बयान में कहा गया है कि भारत और चीन अपने नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ को गंभीरतापूर्वक क्रियान्वित करने पर सहमत हैं। सेना ने कहा कि भारत चीन वार्ता में इस बात पर सहमति बनी कि यथाशीघ्र सैनिकों के पीछे हटने के लिए दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान निकालने के वास्ते संवाद बनाये रखा जाएगा. भारत और चीन, सैन्य और राजनयिक माध्यम से संवाद और संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। बता दें कि भारत और चीन के बीच सीमा विवाद छठे महीने में प्रवेश कर चुका है. भारत और चीन ने बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगभग एक लाख सैनिक तैनात कर रखे हैं जो लंबे गतिरोध में डटे रहने की तैयारी है। भारतीय सैनिकों ने 29 और 30 अगस्त की रात पैंगोंग नदी के दक्षिणी किनारे स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कई ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया था जिससे वहां भारतीय सेना की स्थिति काफी मजबूत हो गई है।

दखल

निर्भया से हाथरस, सबक एक ही

दिल्ली के निर्भया कांड के बाद बलात्कार और यौन शोषण को लेकर पूरे देश में जो माहौल बना था, उसे हम और राजनीतिक दल कायम नहीं रख पाए। यही वजह है कि एक के बाद एक बलात्कार के मामले सामने आ रहे हैं। हाथरस भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। हाथरस कांड के बाद सभी दलों ने जिस तरह से राजनीतिक रोटियां सेंकनी चाही, वह भी सामने आ चुका है। बेहतर यह है कि नेता राजनीति छोड़ नीति बनाएं।

हाथरस की निर्भया के साथ जो हुआ है, उसे लेकर पूरे देश में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। वो लड़की 15 दिनों तक जिंदगी-मौत के बीच जंग लड़ती रही और इस दुनिया को अलविदा कह दिया। मरने से पहले हाथरस की निर्भया ने पुलिस को आरोपियों के नाम बताए। पुलिस ने एक-एक कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया लेकिन पीड़िता के साथ दरिंदगी होने के बावजूद पुलिस ने गैंगरेप का मुकदमा लिखने में 9 दिन लगा दिए। उसका परिवार पुलिस से गुहार लगाता रहा लेकिन पुलिस ने 9 दिन तक रेप के मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की। उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। अपराधी बेखौफ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उस पर निर्भया जैसी इस वारदात ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए। वजह है इस केस में गैंगरेप की धारा लगाने में हाथरस पुलिस ने 9 दिन का वक्त लगा दिया। हालांकि इस दौरान पीड़िता अस्पताल में जिंदगी के लिए जंग लड़ रही थी और उसके घरवाले रेप की धाराएं बढ़वाने के लिए पुलिस के चक्कर लगा रहे थे।

वैसे तो पुलिस ने घटना के दिन ही परिजनों की शिकायत पर आईपीसी की धारा 307 (हत्या के प्रयास) का मुकदमा दर्ज कर लिया था। पीड़ित लड़की दलित समुदाय से आती है, इसलिए एससी-एसटी एक्ट की धारा भी लगाई गई लेकिन पुलिस गैंगरेप की बात मानने के लिए तैयार नहीं थी। दरअसल, 14 सितंबर की सुबह हाथरस के चंदपा थाना क्षेत्र में बूलगढ़ी गांव में इस निर्भया कांड को चार लोगों ने अंजाम दिया था। युवती अपनी मां के साथ खेत में चारा काट रही थी। चारा काटते-काटते वो मां से थोड़ी दूरी पर जा पहुंची। इसी बीच गांव के ही चार युवक वहां पहुंचे और लड़की को उसके दुपट्टे से खींचकर बाजरे के खेत में ले गए। जहां उन चारों ने उसके साथ दरिंदगी को अंजाम दिया। विरोध करने पर लड़की को जमकर पीटा। चारों आरोपी घटना के बाद लड़की को मरा समझकर फरार हो गए थे। लड़की की मां उसे ढूंढते हुए वहां पहुंची तो घटना का पता चला। लड़की को उपचार के लिए अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। हाथरस पुलिस को सूचना दी गई।

परिजनों की लाख कोशिशों के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। लेकिन रेप की बात नहीं मानी। घरवाले पुलिस से लगातार गुहार लगाते रहे। पुलिस ने कहा- क्या सबूत है। हालांकि गौर करने वाली बात है कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस रेप की पुष्टि के लिए पीड़िताओं का मेडिकल कराती है लेकिन इस केस में पुलिस ने ऐसा नहीं किया जब घटना के 9 दिन बाद पीड़िता को होश आया और उसने आपबीती पुलिस को बताई। सभी आरोपियों की पहचान और नाम बताए। तब जाकर पुलिस ने इस मुकदमे में गैंगरेप यानी आईपीसी की धारा 376डी को तरमीम किया। हाथरस की निर्भया अब दुनिया में नहीं है। अब भले ही सरकार पीड़ित परिवार के जख्मों पर मेहरबानी का मरहम लगाए या विपक्षी नेता सरकार पर सवाल उठाएं, मगर सच तो यह है कि हाथरस की निर्भया अब कभी लौटकर नहीं आएगी। हाथरस कांड उसी तरह इन दिनों गर्म है जैसे कभी दिल्ली के निर्भया बलात्कार कांड ने पूरे देश को हिला दिया था। तब आम लोग सड़कों पर थे और दिल्ली की कांग्रेस और केंद्र की यूपीए सरकार के खिलाफ उसे मुद्दा बनाकर तत्कालीन विपक्ष भारतीय जनता पार्टी और अन्ना आंदोलन के तत्कालीन सिपहसालार और आज की आम आदमी पार्टी के नेताओं और मीडिया ने पूरे देश को गरम कर दिया था। मामला था भी संवेदनशील और लोगों का गुस्सा भी स्वाभाविक था। कुछ इसी तरह हाथरस जिले के चंदवा गांव में हुए बलात्कार और उसके बाद पीड़िता की मौत ने पूरे देश के मानस को झकझोर दिया।

इस बार भाजपा प्रदेश और देश में सत्तासीन है और कांग्रेस विपक्ष में है। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर निर्भया कांड के अंदाज में ही भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार को घेरा है। कांग्रेस के साथ ही समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, रालोद और आम आदमी पार्टी के साथ साथ तृणमूल कांग्रेस और भीम आर्मी तक हाथरस कांड को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ लामबंद हो गए।। रालोद नेता जयंत चौधरी पर तो पुलिस ने लाठियां भी भांजी। निर्भया कांड और हाथरस कांड की गंभीरता समान होने के बावजूद राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रिया अलग अलग हो रही हैं। तमाम कानून बनने और प्रशासनिक सख्ती के बावजूद अपराधिक घटनाएं कभी भी कहीं भी हो सकती हैं और इसके लिए सीधे-सीधे किसी भी मुख्यमंत्री और राज्य के शीर्ष अधिकारियों को तब तक दोषी नहीं माना जाना चाहिए, जब तक कि घटना के बाद उनकी प्रतिक्रिया और आरोपितों के खिलाफ पुलिस प्रशासन की कार्रवाई सामने न आ जाए।

कोई भी सरकार और प्रशासन अपराध को रोकने और अपराधियों को कानूनी अंजाम तक पहुंचाने और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए कितना प्रयत्नशील है, यही सबसे बड़ी कसौटी होनी चाहिए। जहां निर्भया कांड के बाद बिना किसी भेदभाव के आम जनता और कांग्रेस समेत सभी दल एकजुट होकर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और भविष्य में एसी घटनाएं न हों इसके लिए कानून बनाने के हक में खड़े हो गए थे, वहीं हाथरस कांड पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं के बयान न सिर्फ अपनी प्रदेश सरकार के बचाव में आ रहे हैं बल्कि बलात्कार और हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए युवकों का बचाव करते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी तब जागे जब इस मामले को लेकर मीडिया और विपक्ष ने खासा शोर मचाया। तब उन्होंने आनन-फानन में पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की। मामले की एसआईटी जांच का एलान किया गया और जब दबाव ज्यादा बढ़ा तो एसपी समेत कुछ पुलिस अधिकारी निलंबित किए गए और सीबीआई जांच की सिफारिश की गई।

इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं हैं कि पीड़ित लड़की को किन परिस्थितियों में तब खींच कर ले जाया गया जब वह अपनी मां के साथ काम कर रही थी और जब पुलिस से इसकी शिकायत की गई तो त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं की। लड़की जब खेत में मरणासन्न अवस्था में मिली तो उसे तत्काल बेहतर इलाज के लिए दिल्ली क्यों नहीं भेजा गया और कई दिन बाद परिवार और मीडिया के दबाव जब दिल्ली भेजा गया तो एम्स की जगह सफदरजंग में क्यों दाखिल कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवार की सहमति के बिना शव को रात के अंधेरे में क्यों जला दिया गया। यह भाजपा और कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई के लिहाज से ठीक माना जा सकता है लेकिन बलात्कार जैसे जघन्य अपराध पर एक-दूसरे से अपनी कमीज को ज्यादा उजला बनाने की सियासी होड़ दुर्भाग्यपूर्ण है।

बेहतर ये होना चाहिए कि कांग्रेस राजस्थान की सरकार पर दबाव बनाए कि बारां के अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। संबंधित सरकारों-प्रशासन को घटनाओं का संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। दुर्भाग्य और दुखद यह है कि निर्भया कांड के बाद देश में बलात्कार और यौन शोषण के खिलाफ जो एक आम सहमति बनी थी, वह दोहरे रवैए की वजह से टूटती जा रही है। जिसकी वजह से महिलाओं की सुरक्षा का सवाल और गंभीर हो गया है।

विचार

ट्रंप को उल्टा पड़ गया दांव

राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा से जुड़े नियमों को सख्त कर दिया। उन्हें उम्मीद थी कि अमेरिकियों को प्रभावित कर सकेंगे। मगर जिस तरह से वहां की कंपनियों ने विरोध जताया, वह ट्रंप को भारी पड़ गया। अब यू-टर्न की तैयारी हो रही है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा से जुड़े नियमों को और सख्त कर दिया। उनकी मंशा रही होगी कि इससे अमेरिकियों को प्रभावित कर लेंगे, मगर हो उल्टा गया है। न सिर्फ भारतवंशी बल्कि अब अमेरिका की कंपनियां भी ट्रंप के इस फैसले के विरोध में आ गई हैं। ट्रंप का यह फैसला उल्टा पड़ते देख अब यू-टर्न की राह तलाशी जाने लगी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा लगता था कि जीत की खातिर जरूरी समर्थन जुटाने लोकप्रिय धारणाओं पर आधारित मुद्दों का सहारा लेना ही मुख्य रास्ता है। शायद यही वजह है कि वे एच-1बी वीजा से जुड़े नियमों को और सख्त करके संदेश देना चाहते थे कि अमेरिकी लोगों के हित के बारे में खयाल करने वाले अकेले नेता वही हैं। दरअसल, एच-1बी वीजा नियमों के मसले पर ट्रंप ने यह पहलकदमी करीब चार महीने पहले की थी, जिसके जरिए वे यह बताना चाहते हैं कि दुनिया के दूसरे देशों से अमेरिका में आए लोग अमेरिकियों के लिए रोजगार के अवसर कम कर रहे हैं।

इसलिए इस एच-1बी नियमों को सख्त बना कर इस चलन पर पर लगाम लगाई जाए। एक बार फिर ट्रंप ने नियमों को और सख्त करने की घोषणा की है। सच तो यह है कि एच-1बी वीजा से जुड़े नियमों को मुद्दा बनाने का मौका इस वजह से आया है कि वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण और लॉकडाउन जैसे हालात में समूचे देश में रोजगार और व्यवसाय पर विपरीत असर पड़ा और लाखों लोगों को रोजगार से वंचित होना पड़ा है। ऐसे में रोजगार निश्चित रूप से एक बड़ा मुद्दा हो गया है। ताजा कवायद के बाद अमेरिका में व्हाइट हाउस की ओर से यह कहा गया कि अमेरिकी लोगों की नौकरियां बचाने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद मिलेगी। सवाल है कि क्या गैर-अमेरिकियों के लिए अवसरों में कमी करके ही इस समस्या का हल निकाला जा सकता है? क्या इस तरह के नियमों में समस्या का हल खोजने से पहले सोचा गया कि किसकी सुविधा और किसके मुनाफे के लिए ऐसे कायदे बनाए गए और किन वजहों से अमेरिकियों के मुकाबले आप्रवासियों को नौकरी पर रखा गया? अगर मान लिया जाए कि ट्रंप यह फैसला वापस नहीं लेते तो भारत के लिहाज से बड़ा असर यह पड़ सकता है कि बड़ी तादाद में अप्रवासी भारतीयों की मौजूदा स्थिति बुरी तरह प्रभावित होगी। खासतौर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसमें अमेरिकी कंपनियों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने और भत्तों से जुड़ी शर्तों में बदलाव किए गए हैं। वहीं, अमेरिका में काम कर रही भारतीय आइटी कंपनियों को स्थानीय लोगों को काम पर रखने के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे। यानी अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को रोजगार मिल रहा था तो इसकी बड़ी वजह अपेक्षा सस्ता श्रम था। उम्मीद यही है कि ट्रंप इस फैसले को वापस लेंगे। अन्यथा उन्हें नुकसान होना लाजिमी है।

पराली का फिर उठने लगा धुआं

भारत में तेजी से बढ़ते प्रदूषण के बीच फिर से कई राज्यों में पराली जलाने की खबरें आने लगी हैं। पिछले साल के भयावह हालत के बाद कहा गया था अगले साल से स्थितियां बदलेंगी और असर दिखेगा, मगर वह कोशिशें अब तक नहीं दिखी हैं, लेकिन पराली का धुआं जरूर दिखने लगा है। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो हालात और भयावह होंगे। पराली जलाने को लेकर सरकार की नीति और नीयत में फर्क नजर आ रहा है।

भारत में तेजी से बढ़ते प्रदूषण को लेकर फिर से जो रिपोर्ट आ रही हैं, उनसे साफ है कि अगर हम समय रहते नहीं चेते तो आने वाले दिनों में हालात और भयावह होंगे। देश के कई राज्यों में फिर से पराली जलाने की खबरें आने लगी हैं। दिल्ली की हवा तो सबसे ज्यादा खराब हो चुकी है। एक अध्ययन में यह बताया है कि उत्तर भारत का ज्यादातर हिस्सा तीन-चार महीने जिस तरह पराली के धुएं में लिपटा रहता है, वह कैसे लोगों को मौत की ओर धकेल रहा है। इसका आर्थिक पहलू भी कम चिंताजनक नहीं है। पता चला है कि पराली जलाने से देश की अर्थव्यवस्था को हर साल दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो जाता है। इसी तरह पटाखों के प्रदूषण से पचास हजार करोड़ रुपए प्रति साल की चपत लग जाती है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल ढाई लाख करोड़ रुपए का नुकसान प्रदूषण की वजह से उठाना पड़ रहा है, लेकिन इतना सब होने के बाद भी वायु प्रदूषण से निपटने में हमारी सरकारें नाकाम साबित हो रही हैं।

रिपोर्ट बता रही हैं कि दिल्ली के वायु प्रदूषण में 39 फीसद धुआं वाहनों का एवं 22 फीसद औद्योगिक इकाइयों का होता है। इसके अलावा, 18 फीसद हवा के साथ आने वाली धूल प्रदूषण को बढ़ाती है। पिछले साल तो दो दिन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उद्योगों को बंद करने जैसा कदम उठाना पड़ा था। जाहिर है, जब हालात बेकाबू होने लगते हैं तब ही सरकार और उसकी एजेंसियों की नींद खुलती है। दिल्ली और इससे सटे इलाकों- नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में हजारों की तादाद में औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं। इससे भी ज्यादा खतरनाक बात यह है कि ज्यादातर छोटे उद्योग रिहाइशी इलाकों में चल रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर दो दिन या हफ्ते भर उद्योगों को बंद कर भी दिया जाए तो इससे कितना प्रदूषण कम होने वाला है!

वायु प्रदूषण का बड़ा कारण पुराने वाहन भी हैं। लाखों की संख्या में ऐसे वाहन दौड़ रहे हैं जिनकी अवधि खत्म हो चुकी है। इनमें भी डीजल वाहनों की तादाद काफी ज्यादा है। इन वाहनों से निकलने वाला धुआं सबसे ज्यादा जहरीले कण पीएम 2.5 उत्सर्जित करता है। ये कण फेफड़ों को संक्रमित करते हैं और दिल का दौरा, मस्तिष्काघात और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। एक शोध से यह सामने आया है कि अगर पीएम 2.5 के स्तर को दस माइक्रोग्राम प्रति वर्ग घन मीटर रखा जाए तो साठ से 85 साल के लोगों की औसत आयु पर बढ़ते खतरे को टाला जा सकता है, लेकिन सरकार पुराने वाहनों को सड़कों से हटा पाने में लाचार साबित हुई है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार सख्त लहजे में केंद्र, राज्य सरकारों, संबंधित एजेंसियों और पर्यावरण मंत्रालय को चेताया है। लेकिन आज तक असर नहीं दिखा है।

हालांकि पिछले साल पराली जलाने से रोकने के लिए पंजाब और हरियाणा की सरकारों ने कदम उठाए, लेकिन इनका कोई ठोस नतीजा सामने आता नहीं दिखा। सरकारों के पास इस समस्या से निपटने के लिए ठोस योजनाओं का नितांत अभाव दिखता है। समस्या तब बढ़ती है जब संबंधित महकमे ठीक से जिम्मेदारी नहीं निभाते। इसलिए शीर्ष अदालत ने ऐसे महकमों के अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की भी चेतावनी दी थी। प्रदूषण से निपट पाने में हम लाचार इसलिए भी हो रहे हैं कि यह हमारी सरकारों की प्राथमिकता में नहीं है। इसके अलावा, इच्छाशक्ति की भी कमी है। विडंबना यह है कि इन तथ्यों के जगजाहिर होने के बावजूद वायु प्रदूषण हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है और हम चेत नहीं रहे हैं।

पराली न जलाने और पर्यावरण बचाने के लिए जारी विज्ञापनों पर अब तक 19 करोड़ रुपए सरकार ने खर्च कर दिए हैं। इतनी रकम से पराली नष्ट करने वाली सैकड़ों मशीनें खरीदी जा सकती थीं। पंजाब में किसानों ने साफ कह दिया है कि वे खेतों में पराली जलाएंगे, क्योंकि इसे नष्ट करने के दूसरे तरीकों पर प्रति एकड़ तीन से चार हजार रुपए का खर्च आ रहा है। किसानों ने पराली जलाने को रोकने के लिए धान पर दो सौ रुपए प्रति क्विंटल बोनस की मांग की है। पंजाब सरकार ने किसानों की मांग केंद्र को बता दी है। पंजाब सरकार प्रति क्विंटल कम से कम सौ रुपए बोनस मांग रही है। हकीकत यह है कि सरकार और किसानों के पास इतनी मशीनें भी नहीं हैं कि बीस दिनों में दो करोड़ टन पराली को नष्ट कर दें। यह समस्या इसलिए है क्योंकि पराली नष्ट करने को लेकर अपनाई गई सरकार की नीतियों में भारी खामियां हैं। पराली नष्ट करने के लिए उपलब्ध मशीनों को अगर पूरे राज्य में इस्तेमाल भी किया जाए तो गेहूं की बिजाई के समय तक मात्र बीस फीसद पराली नष्ट हो पाएगी। ऐसे में किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। सीमांत किसानों का तर्क है कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) का आदेश था कि छोटे किसानों को मशीन मुफ्त में दी जाए। लेकिन सरकार सब्सिडी दे रही है। उनके पास मशीन खरीदने के लिए बाकी के पैसे नहीं हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को अगर सरकार रोकना चाहती है तो इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी।

फसली विविधता को बढ़ा कर पंजाब और हरियाणा से धान की खेती को धीरे-धीरे कम करना होगा, ताकि भूजल स्तर भी बचा रहे और पूरे उत्तर भारत को प्रदूषण से बचाया जा सके। पंजाब के कृषि क्षेत्र के वैज्ञानिक भी यही तर्क दे रहे हैं। फिर देश की जरूरत के हिसाब से बाकी राज्यों में धान की खेती को बढ़ावा देना होगा। वैज्ञानिकों का तर्क है कि किसानों पर जुर्माना लगाना उत्तर भारत के वायु और जल के बचाव का स्थायी समाधान नहीं है। किसानों पर जुर्माने से हल नहीं निकल सकेगा। इसका स्थायी समाधान खोजना होगा, तभी देश को प्रदूषण से निजात मिलेगी। संबंधित सरकारें हर बार अक्टूबर और अप्रैल में वादे करती हैं कि बस, अब आगे से सब ठीक हो जाएगा। किसानों को धान और गेहूं की फसल की कटाई के बाद बचे हुए डंठलों यानी पराली को जलाना नहीं पड़ेगा।

इसे काट कर अन्य उपयोग में लाने के लिए व्यवस्था सर्व-उपलब्ध होंगी व किसानों को इससे आमदनी होने लगेगी। सुन कर कितना सुकून मिलता है! जब धान और गेहूं की फसलों की कटाई हाथों से होती थी, तब फसल जड़ के पास से काटी जाती थी। अनाज निकालने के बाद पराली के अन्य कई उपयोग किसान करता था। अब हाथ से कटाई के लिए मजदूर नहीं मिलते हैं और मशीन से फसल की कटाई सस्ती पड़ती है। कटाई की मशीनें केवल ऊपर से काटती हैं, पूरा डंठल छोड़ देती हैं। पराली के परंपरागत उपयोग किसान जानता है। वह अब यह भी जानता है कि उसे खेत ही में दबा कर खाद के रूप में उपयोग हो सकता है। वायु प्रदूषण का कितना खतरनाक प्रभाव बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ता है, यह दिखाई देने लगा है। इससे निजात तभी मिलेगी, जब पूरे देश में पराली न जलाने को लेकर बात की जाएगी।

ट्विटर

डोनाल्ड ट्रंप को न अमेरिका के लोगों की फिक्र है और न ही दुनिया की। उनके पास कोई एजेंडा नहीं है। वे सबसे असफल राष्ट्रपति साबित हुए हैं। इसके उदाहरण हैं।

जो बिडेन, डेमोक्रेट उम्मीदवार

अमेरिका में एच1बी वीजा के नियमों को सख्त बनाने के पीछे अमेरिकियों को ज्यादा रोजगार देना है और इसमें कुछ गलत भी नहीं गलता है।

डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति

सत्यार्थ

परोपकार का आनंद

बेंजामिन फ्रेंकलिन ने अपने एक धनी मित्र की मेज पर सोने की कुछ गिन्नियां रखते हुए कहा- यह लीजिए अपनी रकम वापस। धनी मित्र ने पूछा-यह क्या है? फ्रेंकलिन ने कहा- मैंने जो रकम आपसे ली थी, वह वापस कर रहा हूं और क्या। धनी मित्र को कुछ भी याद नहीं था। फ्रेंकलिन ने बताया-मैंने एक प्रेस से समाचार-पत्र छापने का काम प्रारंभ किया था, पर अचानक अस्वस्थ हो जाने से मेरा काम ठप हो गया था और उसी समय मैंने आपसे यह रकम ली थी। अब वह राशि लौटाने आया हूं। आप ने समय पर जो सहायता की, उसका परिणाम ही है कि अखबार दोबारा प्रकाशित हो रहा है। प्रसार संख्या में भी वृद्धि हुई है। आर्थिक दृष्टि से मैं अब पूरी तरह निश्चिंत हूं। अपनी गिन्नियां आप रख लें। बेंजामिन ने विस्तार से स्थिति स्पष्ट की, तो उसे सब याद आ गया और उसने कहा- यह तो ठीक है कि आप मुझसे राशि ले गए थे, पर उसे वापस लौटाना तो तय ही नहीं हुआ था। उस समय आप कठिनाई में थे, इसलिए आपकी सहायता करना मैंने अपना कर्तव्य समझा था। जब फ्रेंकलिन ने जोर दिया, तो उनके मित्र ने कहा- मेरी ओर से आप यह रकम अपने पास रखें। कभी कोई कष्ट में आपके पास आए, तो यह उसे दे दें और उससे आप कभी वापस न लें। वह भी इसे आगे किसी की सहायता के लिए दे दे। यही क्रम चलता रहे, तो कितना अच्छा होगा। कुछ सोचकर फ्रेंकलिन ने वे गिन्नियां अपने पास रख लीं और वैसा ही किया, जैसा उनके मित्र ने कहा था। वे समझ गए थे कि हमें जीवन में आनंद की अनुभूति मानवीय संवेदनाओं से होती है। गिन्नियां अगर वापस रख ली जातीं तो वे वैसा आनंद नहीं दे पातीं, जैसा जरूरतमंदों की जरूरत पूरी करते हुई देंगी।

मानव शृंखला

ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गुवाहाटी में नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 और पर्यावरण प्रभाव आकलन 2020 (ईआईए) के विरोध में मानव शृंखला बनाई। विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता अपने हाथों में नारे लिखी हुई तख्तियां भी लिये हुए थे।

नेपाली नेता ने बताई चीनी कब्जे की सच्चाई

जीवन बहादुर शाही ने कहा- नर्क बना दी है सीमांत इलाके के लोगों की जिंदगी

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल की विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने हुम्ला में नेपाली जमीन पर कब्जा कर लिया है। बीजिंग ने यहां इमरातों का निर्माण भी शुरू कर दिया है। करनाली प्रांत में विपक्ष के नेता जीवन बहादुर शाही ने कहा है कि इलाके में चीनी सैनिक लोगों को परेशान कर रहे हैं। नेपाल के न्यूज वेबसाइट खबरहब के मुताबिक, चीनी सैनिक खाने से लदे ट्रकों को रोक रहे हैं।

हालांकि, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार आरोपों से इंकार कर चुकी है। हुम्ला गए शाही ने अलग ही सच्चाई बयां की है। उन्होंने कहा कि लोगों की जिंदगी यहां नारकीय बना दी गई है। सीमांत इलाके के लोग बेहद परेशान हैं। चीन ने हुम्ला के लोगों के लिए जाने वाले खाद्य सामग्रियों से भरे ट्रकों को रोक दिया है। उन्होंने कहा कि हमने सरकार को सूचित किया था कि चीन ने नेपाल की भूमि पर अतिक्रमण किया है और यहां तक कि सीमा पार करके पिलर 12 पर संरचनाओं का निर्माण शुरू कर दिया है। हालांकि, सरकार ने दोहराया है कि नेपाल की भूमि का अतिक्रमण नहीं किया गया है। हमने अपनी सड़क का निर्माण चीन की ओर से निर्मित संरचनाओं से कई किलोमीटर आगे किया था।

दौरे पर गए अधिकारियों ने भी पाई गड़बड़ी

उनके मुताबिक हालांकि, कुछ सरकारी अधिकारी भी दौरे पर थे और उन्होंने पाया कि कुछ गड़बड़ी है। मैं नहीं जानता कि क्यों सरकार ने कहा कि चीन ने हमारी सीमा में अतिक्रमण नहीं किया है। शाही ने कहा कि चीन ने एक पिलर का निर्माण किया है और सरकारी अधिकारियों ने कहा कि उनसे इस मुद्दे पर सलाह नहीं ली गई है। सीमा पिलर्स का मुख्य सिद्धांत है कि जब भी एक नया पिलर लगाया जाता है, यह पहले दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बातचीत से तय होता है।

पिलर 5.1 और 6.1 पर तैनात हैं चाइनीज सुरक्षाबल

नेता ने कहा कि जंगे पिलर 12 का निर्माण हाल ही में चीन ने किया है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि इसको लेकर उनसे संपर्क नहीं किया गया है। पिलर 5.1 और 6.1 पर चाइनीज सुरक्षाबल तैनात हैं, वे हमारे लोगों का पीछा करते हैं, जब भी वे वहां खेती या जानवरों को चराने के लिए जाते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चीन ने नेपाल की धरती पर कब्जा कर लिया है।

न्यूज

कांग्रेस नेत्री तारा यादव और समर्थकों पर भी एफआईआर

देवरिया, (एजेंसी)। टिकट न मिलने से नाराज होकर दो दिन पहले जिला कार्यालय पर हो रही बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी सचिन नाईक से हाथापाई करने वाली कांग्रेस नेत्री तारा यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ भी देवरिया में एफआईआर दर्ज हो गई है। एक दिन पहले तारा ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित चार नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, बलवा व छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जुलेखा खातून ने भी तारा के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। महिला जिला उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया था कि देवरिया सदर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के स्वागत के लिए आयोजित कार्यक्रम में तारा ने समर्थकों के साथ पहुंचकर राष्ट्रीय सचिव के साथ मारपीट की।

जब खुद भैंस ने थाने पहुंचकर ढूंढा अपना मालिक

कन्नौज, (एजेंसी)। जिले के तिर्वा कोतवाली क्षेत्र स्थित अलीनगर निवासी धर्मेंद्र की भैंस तीन दिन पहले चोरी हो गई थी। इसी दिन तालग्राम के वीरेंद्र की भैंस भी चोरी हो गई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चोरी गई भैंस बरामद कर ली। इसकी जानकारी मिलते ही धर्मेंद्र और वीरेंद्र तिर्वा कोतवाली पहुंच गए। दोनों भैंस पर अपना-अपना दावा कर रहे थे। काफी देर तक पुलिस भैंस के असली मालिक को पता नहीं कर पाई तो अपने मालिक को पहचानने के लिए भैंस पर ही छोड़ दिया। दोनों ने आवाज देकर भैंस को अपनी तरफ बुलाया। थोड़ी देर बाद भैंस ने अपने असली मालिक धर्मेंद्र को पहचान लिया और उसके पास जाकर खड़ी हो गई, वहीं, भैंस का दूसरा दावेदार भी इस फैसले से सहमत हो गया। तिर्वा कोतवाली के एसएसआई विजयकांत मिश्र के इस सूझबूझ भरे निर्णय की जमकर सराहना की गई। यह मामला पूरे दिन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

कुपवाड़ा में एसएसबी के जवान ने की आत्महत्या

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सीमा सशस्त्र बल (एसएसबी) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यहां जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि हंदवाड़ा इलाके में रविवार देर रात उस समय अफरातफरी मच गई, जब एसएसबी के शिविर से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। अर्द्धसैनिक बल के जवान शिविर में पहुंचे तो वहां एक जवान को खून से लथपथ जमीन पर गिरा हुआ पाया।जवान की पहचान अमित कुमार के रूप में हुई है और वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि जवान ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

लीबिया में 14 सितंबर को अगवा किए गए थे बिहार समेत चार राज्यों के सात भारतीय

मोदी सरकार के एक्शन से रिहा हुए सभी नागरिक सुरक्षित

नई दिल्ली/ ट्यूनिश, (एजेंसी)। लीबिया में अगवा किए गए सात भारतीय नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। ट्यूनिशिया में भारत के राजदूत ने रविवार को यह जानकारी दी। आपको बता दें कि जिन सात भारतीयों की बीते 14 सितंबर को लीबिया के अश्शरीफ से अपहरण किया गया था वे आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश राज्यों के रहने वाले हैं।

ट्यूनिशिया में भारतीय दूत पुनीत रॉय कुंडल ने उनकी रिहाई की खबर की पुष्टि की। आपको बता दें कि लीबिया में भारत का दूतावास नहीं है। ट्यूनिशिया स्थित भारतीय मिशन ही लीबिया में भारतीयों के लिए काम करता है। गुरुवार को भारत ने पुष्टि की थी कि पिछले महीने लीबिया में उसके सात नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था और उनकी रिहाई के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि अपहृत श्रमिक सुरक्षित हैं और ट्यूनिशिया में भारतीय मिशन उन्हें मुक्त कराने के प्रयासों के लिए लीबिया सरकार के संपर्क में है।

अपहरणकर्ताओं ने दिखाया था कि वे सभी भारतीय नागरिकों को वह अच्छी तरह रख रहे हैं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा था कि ट्यूनिशिया में हमारा दूतावास, जो लीबिया में भारतीय नागरिकों के कल्याण से संबंधित मामलों को संभालता है, लीबिया के सरकारी अधिकारियों तक पहुंच गया है। वहां मौजूद अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी भारतीय नागरिकों को बचाने में उनकी मदद लेने के लिए नियोक्ता को नियुक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा था कि अपहरणकर्ताओं द्वारा संपर्क किया गया और सबूत के तौर पर दिखाया गया कि भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और अच्छी तरह से रख रहे हैं।

मई 2016 में लगा यात्रा प्रतिबंध अभी भी लागू

सितंबर 2015 में भारतीय नागरिकों को वहां की सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर लीबिया की यात्रा से बचने के लिए एक सलाह जारी की गई थी। बाद में मई 2016 में सरकार ने अत्यधिक बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर इस उद्देश्य के लिए पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लगा दिया। यह यात्रा प्रतिबंध अभी भी लागू है।

लीबिया में आतंकियों के चंगुल से रिहा हुआ मुन्ना, पत्नी बोली- मैंने उम्मीद छोड़ दी थी

कुशीनगर, (एजेंसी)। लीबिया में एक माह से आतंकवादियों के कब्जे में फंसे खड्डा क्षेत्र के मुन्ना चौहान सहित सात भारतीय सकुशल मुक्त हो गए हैं। मुन्ना ने रविवार देर रात घर फोन कर इसकी जानकारी दी। बताया कि वह सभी सुरक्षित अलसोला अलमुडिया कंपनी पहुंच गए हैं। यह सभी इसी कंपनी में कार्य करते थे। इन्हें मुक्त कराने में कंपनी का काफी योगदान रहा। मुन्ना के आतंकवादियों के चंगुल से मुक्त होने पर परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। रविवार रात्रि साढ़े नौ बजे फोन की घंटी बजी और उधर से आई आवाज सुनकर संजू की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। वह आवाज लीबिया में अपहृत मुन्ना चौहान की थी। मुन्ना की पत्नी संजू ने बताया कि मैंने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन उन्होंने फोन कर बताया कि कंपनी ने मदद कर छुड़ा लिया है। हम सभी लोग सकुशल कंपनी में हैं। मुन्ना ने पूरे परिवार का हालचाल पूछा और ईश्वर तथा सभी मदद करने वालों को धन्यवाद दिया। संजू ने कहा कि पति सहित सातों लोगों की सुरक्षित वापसी कराने में शामिल लोगों का उनका परिवार आभारी है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020

बिहार के चुनावी पर्दे पर इस बार सुपरहिट हैं वोट, बहू और बेटियां

पटना, (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में एक दौर था जब नेता खुद चुनाव न लड़ पाने की स्थिति में अपनी पत्नी या बेटे को चुनाव मैदान में उतार देते थे, लेकिन समय बदलने के साथ ये परिपाटी बदल रही है। अब नेताओं ने अपने घर की बहू और बेटियों को मौका देना शुरू किया है, इसके कई उदाहरण हैं, जानिए इस बार के विधानसभा चुनाव में ऐसी कौन-कौन सी बेटियां और बहुएं हैं जो पिता या ससुर की राजनीतिक विरासत की दावेदार के रूप में सामने हैं-

श्रेयसी सिंह

बिहार के चर्चित नेताओं में से एक स्व. दिग्विजय सिंह की बेटी श्रेयशी सिंह इस बार चुनाव में पिता और मां की राजनीतिक विरासत को संभालने आ रही हैं। भाजपा के टिकट से वह अपना पहला चुनाव लड़ेंगी। श्रेयशी को शूटिंग गेम्स में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अर्जुन पुरस्कार मिल चुका है। मां पुतुल देवी सांसद रह चुकी हैं।

पुष्पम प्रिया चौधरी

जदयू के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व एमएलसी विनोद चौधरी के बेटी पुष्पम एजुकेशन में लंदन रिटर्न हैं। अपने पिता की पार्टी से राजनीति शुरू करने की बजाय उन्होंने खुद की प्लूरल्स पार्टी गठित की है और इस बार पूरे राज्य में चुनाव लड़ रही हैं। वह खुद बिस्फी विधानसभा से चुनाव लड़ेंगी।

दिव्या प्रकाश

राजद नेता एवं पूर्व मंत्री जय प्रकाश नारायण की बेटी दिव्या प्रकाश भी अपने पिता के अनुभवों के आधार पर उनके पदचिह्नों पर चलने कदम बढ़ा चुकी हैं। वह राजद के टिकट पर पहली बार तारापुर सीट लड़ रही हैं। उनका सपना है कि वह पिता की कर्मभूमि तारापुर के लिए बहुत कुछ करें।

मीना कामत

जदयू नेता कपिलदेव कामत स्वास्थ्य कारणों से इस बार चुनाव मैदान में नहीं उतर रहे। अब उनकी राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए उनकी छोटी बहू मीना कामत आ रही हैं। वह इस बार बाबूबरही सीट से जदयू प्रत्याशी है। पूर्व में वह जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं।

शालिनी मिश्रा

जदयू ने इस बार केसरिया विधानसभा सीट से शालिनी मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है। शालिनी पूर्व सांसद स्व. कमला मिश्र मधुकर की बेटी हैं और उनकी मां डॉ. कामना मिश्रा भी राजनीति में सक्रिय थीं। शालिनी मार्केटिंग में एमबीए करने के बाद करीब 22 वर्षों तक विभिन्न कंपनियों के लिए काम कर चुकी हैं। अब जदयू के टिकट पर अपने पिता और मां के विरासत को आगे ले जाना चाहती हैं।

नीतू सिंह

बिहार के पूर्व पशुपालन राज्यमंत्री स्व. आदित्य सिंह की बहू नीतू सिंह इस बार हिसुआ विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। वह अपने ससुर और पति शेखर उर्फ पप्पू सिंह के राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएंगी। पति पप्पू सिंह की छवि दबंग किस्म की है, लेकिन नीतू पति की छवि से अलग समाजसेवी छवि लेकर कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने जा रहीं हैं।

डॉ. निक्की हेम्ब्रम

भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक सोनेलाल हेम्ब्रम की बहू डॉ. निक्की एक बार फिर से कटोरिया विधानसभा सीट पर भाजपा की उम्मीदवार बनी हैं। ससुर की तबीयत खराब होने के पिछले चुनाव में वह भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ चुकी हैं, लेकिन राजद की प्रत्याशी से उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। डॉ. निक्की कटोरिया पूर्वी की जिला परिषद सदस्य भी रह चुकी हैं। पिछले कुछ वर्षों से ससुर की राजनीतिक विरासत संभालने के लिए सक्रिय हैं।

लोजपा सांसद के बेटे को तेजस्वी ने राजद से दिया टिकट

पटना, (एजेंसी)। लोजपा सांसद चौधरी महबूब अली कैसर के बेटे चौधरी यूसुफ कैसर को राजद ने सिमरी बख्तियारपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। तेजस्वी यादव ने यूसुफ को सिंबल दे दिया है। यूसुफ ने सप्ताह भर पहले तेजस्वी के समक्ष राजद की सदस्यता ग्रहण की थी। पार्टी में शामिल होने के बाद से ही ये कयास लग रहे थे कि राजद उन्हें उम्मीदवार बनाएगी। यूसुफ ने राजद ज्वाइन करने के बाद कहा था कि उन्होंने तेजस्वी के साथ कदम मिलाकर चलने का फैसला किया है।

पूर्व अमीर के निधन पर भारत की ओर से प्रधान ने दी श्रद्धांजलि

कुवैत सिटी, (एजेंसी)। कुवैत के पूर्व अमीर के निधन पर भारत सरकार की ओर से श्रद्धांजलि देने के लिए पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत में हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह से मिलकर मैंने भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोगों की ओर से, कुवैत के दिवंगत अमीर शेख सबाह अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह के निधन पर, अल-सबाह परिवार, कुवैत सरकार और उनके लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह ने राष्ट्रपति कोविंद, पीएम नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों को उनकी संवेदना के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत-कुवैत संबंध ऐतिहासिक हैं और आपसी लाभ के लिए प्रगति जारी रखेंगे। बता दें कि रविवार को कुवैत पहुंचे प्रधान को भेजने का उद्देश्य यह बताना है कि भारत तेल संपन्न देश कुवैत के साथ अपने संबंधों को कितनी अहमियत देता है। शेख सबाह अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबाह के निधन पर संवेदनाएं जताने के लिए कुवैत पहुंचे प्रधान अपने साथ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का पत्र भी लेकर गए हैं। यह पत्र कुवैत के नेतृत्व को दिया जाएगा। उनका निधन 29 सितंबर को 91 साल की आयु में अमेरिका के एक अस्पताल में हुआ था।

केंद्रीय मंत्री ने नए अमीर और क्राउन प्रिंस को दी बधाई

प्रधान ने भारत सरकार की ओर से कुवैत के नए अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल जाबेर अल-सबाह और क्राउन प्रिंस शेख मिशाल अल-अहमद अल जाबेर अल सबाह को बधाई दी। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि यह मुलाकात दोनों देशों के बीच संबंधों के नए आयाम प्रदान कर सकती है। कुवैत भारत के ऊर्जा स्रोतों की सूची में छठे स्थान पर है। भारत लगातार कुवैत के शीर्ष दस व्यापारिक भागीदारों में से एक रहा है। साल 2015-16 में दोनों देशों के बीच 620 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। इसके साथ ही कुवैत की स्वायत धन निधि ने 2017 से भारत में 200 करोड़ डॉलर का निवेश किया है।

फारूक और राहुल एक ही सिक्के के दो पहलू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के बयान पर राजनीतिक घमासान मच गया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने उनके बयान को देश विरोधी ठहराया है। उन्होंने कहा कि फारूक चीन की मानसिकता को सही ठहरा रहे हैं। उन्होंने पहली बार ऐसा नहीं कहा है, उन्होंने पहले भी कई बार इस तरह के बयान दिए हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरह से फारूक अब्दुल्ला, अपने इंटरव्यू में चीन की विस्तारवादी मानसिकता को न्यायोचित ठहराते हैं, वहीं दूसरी ओर देशद्रोही कमेंट करते हैं कि भविष्य में अगर मौका मिला तो हम चीन के साथ मिलकर अनुच्छेद 370 वापस लाएंगे। इन्हीं अब्दुल्ला ने भारत के लिए कहा था कि पीओके क्या तुम्हारे बाप का है, जो पीओके ले लोगे, क्या पाकिस्तान ने चूड़ियां पहनी हैं।

चीन में हीरो बने फारूक : भाजपा

पात्रा ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला ऐसा कहते हैं ऐसा नहीं है, अगर आप इतिहास में जाएंगे और राहुल गांधी के हाल फिलहाल के बयानों को सुनेंगे तो आप पाएंगे कि ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ये वही राहुल गांधी हैं, जिन्होंने एक हफ्ते पहले कहा था कि प्रधानमंत्री कायर है, प्रधानमंत्री छुपा हुआ है, डरा हुआ है। दूसरे देशों की तारीफ और अपने देश, प्रधानमंत्री और आर्मी के लिए ऐसे वचन कहां तक सही है, ये आप सब समझते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाकर राहुल गांधी पाक में हीरो बने थे, आज फारूक अब्दुल्ला चीन में हीरो बने हैं।

हकीकत — 11 साल बाद पाकिस्तान की जेल में मिला उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर जिले का व्यक्ति

अब जगी पुनवासी के वतन वापसी की उम्मीद

मिर्जापुर ■ एजेंसी

जिले का युवक पाकिस्तान की जेल में पिछले 11 वर्ष से बंद है। अब उसे भारत लाने की तैयारी हो रही है। लापता पुनवासी के मिलने की खुशी पड़ोसी और रिश्तेदारों में है। उसके परिवार में अब कोई नहीं बचा है। पाकिस्तान सरकार द्वारा भारत के विदेश मंत्रालय को दी जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जिले की खुफिया विभाग की टीम ने पिछले 20 माह से अधूरे नाम पते के सहारे युवक का असली नाम पता खोज निकाला है। युवक का असली नाम पता मिलने के बाद युवक को वापस लाने के लिए डीएम और एसपी की अनुमति के बाद एलआईयू ने विदेश मंत्रालय और प्रदेश सरकार के अनु सचिव को मेल कर दिया गया है। अब उम्मीद है कि भटक कर पाकिस्तान पहुंचे पुनवासी की जल्द भारत वापसी होगी।

साल 2009 में पहुंच गया पाक

पाकिस्तान सरकार ने भारतीय विदेश मंत्रालय को जानकारी दी थी कि बॉर्डर क्रास करते समय 2009 में एक युवक पाकिस्तान चला आया था। 2009 में उसके ऊपर पाकिस्तान के नौलखा लाहौर में मुकदमा दर्ज है। पाकिस्तान से मिले पते के आधार पर राष्ट्रीयता की पुष्टि के लिए गृह मंत्रालय का विदेशी प्रभाग उसके परिजनों को खोज रहा था। पाकिस्तान की जेल में बंद युवक ने अपना नाम पुनवासी लाल, पिता का नाम कुंदन लाल बताया। अपना पता सिटी लाल तहसील पुलिस स्टेशन समहर कटरा, मिर्जापुर यूपी इंडिया बताया था।

राष्ट्रीयता की हुई पुष्टि: इस नाम पते के सहारे खुफिया विभाग पिछले 20 माह से उसकी खोजबीन कर रहा था। 35 वर्षीय की पहचान देहात कोतवाली क्षेत्र के भरुहना गांव निवासी पुनवासी लाल पुत्र स्व. कन्हैयालाल के रूप में हुई। उसकी बहन किरन निवासी बसइटा बहुती बलहरा थना लालगंज और चचेरे भाई जवाहिर पुत्र प्यारेलाल ने फोटो देखकर उनकी शिनाख्त की। राष्ट्रीयता की पुष्टि होने के बाद विदेश मंत्रालय और प्रदेश सरकार के अनुसचिव को मेल कर जानकारी भेज दी गई।

शुरु हुई वतन वापसी की प्रक्रिया: प्रभारी एसपी: प्रभारी एसपी संजय कुमार ने बताया कि पाक जेल में बंद पुनवासी के राष्ट्रीयता की पुष्टि के लिए विदेश मंत्रालय का पत्र जिलाधिकारी के पास आया था। 20 माह के अथक प्रयास के बाद उसके नाम पते की तस्दीक की गई। राष्ट्रीयता की पुष्टि के बाद सरकार के अनु सचिव और विदेश मंत्रालय को मेल कर दिया है। अब वहां से उसे वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

दरभंगा पुलिस ने जताई चुनाव में गड़बड़ी की आशंका

चौथी क्लास के छात्र को भेजा नोटिस, भरवाया बॉन्ड

दरभंगा, (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक महकमा सतर्क है। चुनाव में गड़बड़ी फैलाने वालों पर नजर रखी जा रही है। इस बीच दरभंगा पुलिस की नई करतूत सामने आई है। उसने चुनावी में गड़बड़ी फैलाने की आशंका को लेकर चौथी क्लास के 11 साल के बच्चे को नोटिस थमा दिया। साथ ही थाने बुलाकर उससे 50 हजार का बंधपत्र भी भरवाया। जानकारी के एसएसपी बाबूराम ने हैरानी जताते हुए दोषी पुलिस वालों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

ये मामला दरभंगा के बहादुरपुर थाने से जुड़ा है। रायसाहब पोखर के रहने वाले चौथी क्लास के छात्र को पुलिस ने चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की आशंका पर 107 का नोटिस भेज दिया। नोटिस मिलते ही परिवार सकते में आ गया। बच्चा नोटिस लेकर थाना पहुंचा, लेकिन पुलिसवालों ने न तो बच्चे की फरियाद सुनी और न ही माता-पिता की कोशिश की। अंत में बच्चे को थाने में 50 हजार बॉन्ड भरना पड़ा और तब परिवार घर लौटा।

नोटिस मिलने पर घरवाले हो गए परेशान

बच्चे की मां सीमा देवी ने कहा कि थाने से चौकीदार के हाथों नोटिस भेजा गया था। उसमें मेरे बेटे पर बूथ लूटने और चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की आशंका जताई गई थी। नोटिस मिलने के बाद घरवाले परेशान हो गए कि कैसे इतना छोटा बच्चा बूथ लूट कर गड़बड़ी फैला सकता है, लेकिन नोटिस मिलने के बाद बच्चे को बहादुरपुर थाना ले जाकर हमने कानूनी प्रक्रिया पूरी की। 50 हजार का बॉन्ड बेटे से भरवाया। मामले की सूचना मिलते ही एसएसपी ने नाराजगी जताते हुए खुद पुलिस की इस करतूत पर हैरानी जताई। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की जांच कर दोषी पुलिसवालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

त्यौहारी सीजन के मद्देनज़र चौकसी और बढ़ाई जाए : पुलिस कमिशनर

अधिकारियों को पटाखों के भंडारण, खरीद और बिक्री की जांच करने के दिए निर्देश

• जालंधर/रवि

पुलिस कमिशनर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने आज आधिकारियों को त्यौहारी सीजन के मद्देनज़र लोगों की सुविधा के लिए अपनी ड्यूटी और तनदेही और प्रभावशाली ढंग से निभाने के निर्देश दिए।

स्थानीय पुलिस लाईन में आधिकारियों /कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पुलिस कमिशनर ने उन्हें त्यौहारों के सीजन दौरान चौकसी बढ़ाने के लिए कहा जिससे शहर में कोई अप्रिय घटना न घटे। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के सीजन में पीसीआर /ट्रैफिक विंग की महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई है और उनसे आशा की जाती है कि वह अपनी ड्यूटी को पूरी तरह पेशेवर तरीके, समर्पण और वचनबद्धता के साथ निभाएंगे।

भुल्लर ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना के साथ निपटने के लिए पीसीआर टीम की प्रतिक्रिया तुरंत और प्रभावशाली होनी चाहिए।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि जुर्म या दुर्घटना की सूचना मिलते ही आधिकारियों को मौके पर पहुँचने में कम से कम समय लगाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहर में किसी किस्म के जुर्म या दुर्घटना के साथ प्रभावशाली ढंग से निपटने को सुनिश्चित करें।

भुल्लर ने यह भी कहा कि त्यौहारों के मद्देनज़र शहर की सड़कों पर भारी भीड़ देखने को मिलेगी।

इसलिए कमिशनरेट पुलिस के ट्रैफिक विंग की भूमिका भी पहले के मुकाबले काफी बढ़ जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि त्यौहारों के सीजन में ट्रैफिक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है और कमिश्नरेट पुलिस कुशल योजनाबंदी और प्रभावशाली क्रियान्वयन के साथ ट्रैफिक सम्बन्धित कोई समस्या नहीं आने देगी।

उन्होंने कहा कि दशहरा और दीवाली के त्यौहारों के मद्देनज़र खुलेआम पटाखों के भंडारण, बिक्री, खरीद की संभावना होती है, जिसके साथ जान-माल, अंग और संपत्ति को गंभीर नुक्सान पहुँच सकता है।

उन्होंने आधिकारियों को उनके अधिकार क्षेत्र में पटाखों के निर्माण, भंडारण, खरीद और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए ताकि समय रहते जरुरी कदम उठाए जा सकें।

पराली प्रबंधन से ज्यादा बचत कर रहे किसान, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति भी बढ़ी

• जालंधर/रवि

धान की पराली का प्रबंधन न सिर्फ पराली जलाने की समस्या में अहम रोल निभा रहा है बल्कि पिछले कुछ सालों से खेतों में पराली का निपटारा करके किसान अधिक लाभ कमा रहे है।

जिन किसानों ने खेतों में ही पराली का प्रबंधन किया, वह जहां खाद पर होने वाले खर्च कम कर पैसों की बचत कर रहे हैं वहीं उनके खेतों की मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

गोल गाँव के किसान अमरजीत सिंह ने बताया कि वह 2012 से इन-सीटू तकनीक के द्वारा पराली का प्रबंधन कर रहे है। उसने कहा वह खेत में 50 प्रतिशत कम डीएपी और युरिया का प्रयोग कर रहे हैं और मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि उनकी तरफ से सुपर एसएमएस का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके बाद 38 एकड़ में जीरो ड्रिल के साथ गेहूं की बिजाई के लिए मलचर और एमबी पलोय का प्रयोग की जाएगा। किसान ने बताया कि फसल की पैदावार में 1 से 1.5 क्विंटल प्रति एकड़ तक की बढ़ोतरी हुई है और बरसाती पानी ठहरने की कोई समस्या नहीं रही । गाँव काला संघिया के किसान दविन्दर सिंह धालीवाल 2015 से धान की पराली प्रबंधन मशीनों के प्रयोग से कर रहे हैं और 50 एकड़ गेहूँ और 60 एकड़ आलू की बिजाई कर रहे हैं। फसलों के अवशेषों के प्रबंधन के फायदों बारे अपने अनुभव सांझे करते हुए बताया कि उसके खेत में मिट्टी में कठोरता, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति में सुधार और गेहूँ की फसल साथ-साथ आलू की पैदावार में भी काफी इजाफा हुआ है और खादों की लागत में भी कमी आई है। इसी तरह किसान सुखविन्दर सिंह और गाँव उधोपुर के तरलोचन सिंह ने कहा धान की पराली उपजाऊ शक्ति का एक शानदार स्रोत बन गई है। मुख्य कृषि अधिकारी डा. सुरिन्दर सिंह ने कहा कि यदि सभी किसान जालंधर में इन तकनीकों को अपना लें, जोकि 4 लाख एकड़ क्षेत्रफल है, तो वह 80 करोड़ रुपए की बचत कर सकते हैं, जो वह पौष्टिक तत्वों जैसे नाईट्रोजन, फास्फोरस और पोटाशियम खरीद पर खर्च कर देते हैं। उन्होनें कहा कि धान की पराली का प्रबंधन 13.75 किलो नाईट्रोजन, 6.25 किलो फास्फोरस और 62.5 किलो पोटाशियम को जमीन में शामिल करेगा। डा. सिंह ने कहा कि अवशेष मिट्टी को हवा और पानी के कटाव से बचाने में मदद करती है, मिट्टी को ठंडा रखते हैं जिससे बेशकीमती पानी को संभाला जा सके और पौष्टिक तत्वों के बचाव में भी सहायता मिल सके।

शिक्षा विभाग ने अनेकों पहलकदमियां करके कोविड -19 की चुनौती को एक अवसर में तबदील किया -शिक्षा सचिव

• चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार को पिछले छह महीनों से कोविड -19 के कारण स्कूल बंद रखने के लिए मजबूर होने के बावजूद समूचे तौर पर शिक्षा विभाग और विशेषत: निचले स्तर पर अध्यापकों ने इस चुनौती को वास्तव में एक अवसर में तबदील कर दिया है। यह प्रगटावा करते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री कृष्ण कुमार ने कहा है कि चाहे सामाजिक दूरी बनाई रखने के लिए उनको स्कूल बंद रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है परन्तु फिर भी इस समय के दौरान विभाग ने इस महामारी के दौरान नयी पहलकदमियां करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नये रास्ता निकाले हैं। शिक्षा सचिव ने कहा कि विभाग कोविड-19 के दौरान सावधानियों की पालना करते हुये 'मिशन शत -प्रतिशत', 'स्मार्ट स्कूलज़, 'अंग्रेज़ी माध्यम', 'ईच वन, बरिंग वन', 'घर बैठे शिक्षा' और 'पंजाब अचीवमेंट सर्वेक्षण' जैसे अपने बहुत सी कामों को उत्साह से पूरा कर रहा है।

उन्होंने बताया कि श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व के सम्बन्ध में पाठ पुस्तकों के वितरण, मिड डेय मिल आदि जैसे कार्यों के अलावा एक सांझे आंदोलनों के द्वारा जन लहर शुरू करके माता-पिता ख़ास करके समूचे लोगों के साथ सामाजिक जड़ों को मज़बूत बनाया है।

मैंने कुछ बॉल्स खेलीं। लेकिन, फिर स्ट्राइक एबी को देने के बारे में सोच लिया। उसने तीसरी गेंद से ही शॉट्स खेलने शुरू कर दिए। ऐसा एबी ही कर सकता है। यह लाजवाब पारी थी-कोहली

स्पोर्ट्स प्लैनट

फूड पॉइजनिंग से उबरे क्रिस गेल, इस टीम के खिलाफ मैदान में उतरेंगे खिलाड़ी

• दुबई/ब्यूरो

किंग्स इलेवन पंजाब के कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल पेट दर्द (फूड पॉइजनिंग) से उबर गये हैं और गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है। टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले कहा कहा था कि गेल 'फूड पॉइजनिंग' के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाये थे। यह 41 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ भी नहीं खेल पाया था।

गेल ने सोशल मीडिया पर अस्पताल से एक तस्वीर साझा की थी जबकि किंग्स इलेवन ने सोमवार को गेल के अभ्यास पर लौटने की तस्वीर जारी की थी। टीम सूत्रों ने पीटीआई से कहा, ''वह अब स्वस्थ हैं और उम्मीद है कि आरसीबी के खिलाफ (गुरुवार) को मैच में खेलेंगे।''

यह मैच शारजाह में होगा जहां का मैदान आईपीएल के तीनों मैच स्थलों में सबसे छोटा है। मयंक अग्रवाल और केएल राहुल ने अब तक किंग्स इलेवन को अच्छी शुरुआत दिलायी है और ऐसे में गेल को खेलने का मौका नहीं मिला। किंग्स इलेवन को सात में से छह मैच में हार का सामना करना पड़ा है और उसे प्लेऑफ में जगह बनाने के लिये अब कुछ विशेष प्रदर्शन करना होगा।

एबी डीविलियर्स जीनियस हैं-विराट कोहली

आईपीएल में सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच हुआ। यह मैच आरसीबी ने 82 रन से जीता। बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन का टारगेट दिया। कोलकाता ने 9 विकेट पर 112 रन ही बना सकी।

बेंगलुरु के कप्तान कोहली ने जीत का श्रेय एबी डीविलियर्स और गेंदबाजों को दिया। डीविलियर्स 33 बॉल पर 73 रन बनाकर नॉट आउट रहे। कोहली ने 28 बॉल पर 33 रन बनाए। दोनों ने आखिरी 5 ओवर में 83 रन बनाए।

जीनियस हैं डीविलियर्स

कोहली ने डीविलियर्स को जीनियस बताया। आरसीबी के कप्तान ने कहा- टॉस के वक्त मैं समझ गया था कि शरजाह में हमेशा जैसी विकेट रहती है, वैसी ये इस बार नहीं है। मैं जानता था कि विकेट धीमा होता जाएगा। अगर डीविलियर्स को छोड़ दें तो हर किसी को इस पिच पर बैटिंग करने में दिक्कत हुई। हम ये मानकर चल रहे थे कि इस विकेट पर 165 से 170 रन का स्कोर काफी होगा।

कोहली ने आगे कहा- डीविलियर्स की वजह से हम 195 रन बना सके। मैंने कुछ बॉल्स खेलीं। लेकिन, फिर स्ट्राइक एबी को देने के बारे में सोच लिया। उसने तीसरी गेंद से ही शॉट्स खेलने शुरू कर दिए। ऐसा एबी ही कर सकता है। यह लाजवाब पारी थी।

मॉरिस के आने के बाद बॉलिंग मजबूत हुई

कोहली ने कहा- हमने इस सीजन में बेहतर खेला है। यहां भी हमें अच्छी शुरुआत करनी थी। टीम के जरूरत के मुताबिक, यह देखकर अच्छा लगा कि जरूरत के वक्त गेंदबाजों ने जिम्मेदारी का परिचय दिया। मॉरिस के आने के बाद बॉलिंग यूनिट मजबूत हुई। अगर बॉलिंग मजबूत रही तो टीम टूर्नामेंट में काफी आगे जाएगी।

तीन हफ्ते के कैंप से मिला फायदा

कोहली ने कहा- टीम की तैयारी काफी अच्छी रही है। तीन हफ्ते का कैंप हमारे लिए फायदेमंद रहा। इससे हमें यह पता लग गया कि वास्तव में हमें करना क्या है। सबकुछ मानसिकता पर निर्भर करता है। हमारी टीम में इस वक्त यह पॉजिटिव है।

चोरी के मोटरसाइकिल सहित एक गिरफ्तार

• जालंधर/रवि

ए.एस.आई अमरीक सिंह पुलिस डिवीजन नं. 3 जालंधर पुलिस पार्टी समेत नजदीकी मदन फ्लोर मिल चौक पर मौजूद थे उसी वक्त हरमीत सिंह पुत्र बलविंदर सिंह वासी मकान नंबर 41 मुसलमान कॉलोनी गांधी नगर जालंधर ने अपने बयान दर्ज करवाएं जिसमें उसने बताया कि वह एच.एस.वेडिंग मॉल रैणक बाजार बैंक ऑफ इंडिया के नजदीक कपड़े की दुकान में सेल्समैन का काम करता है और अपने काम के संबंध में अपना मोटरसाइकिल नंबर पीबी08 डीपी 0582 मारका सप्लेंडर प्रताप बाग गेट के सामने मोटरसाइकिल खड़ा कर नजदीकी दुकान में गया कुछ समय बाद जब वह बाहर आया तो देखा की एक अनजान व्यक्ति उसका मोटरसाइकिल चोरी करके ले जा रहा है।

तभी उसने उसे रोकने की बहुत कोशिश की पर वह भाग गया मुकदमा नंबर 206 तिथि 12.10 .2020 अधीन 379 आईपीसी रजिस्टर कर तफ्तीश दौरान गुरुद्वारा दीवान अस्थान सेंट्रल टाउन जालंधर से राकेश कुमार केशा पुत्र गुरपाल सिंह वासी पिंड जगराल पुलिस डिविजन नंबर सदर जालंधर गिरफ्तार कर चोरी का मोटरसाइकिल उस से बरामद किया दोषी को अदालत में पेश कर जेल में बंद करवाया जाएगा।

बिजली चोरी एक समाजिक बुराई है- हरजिंदर सिंह बांसल

• जालंधर/रवि

पंजाब राज पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने बिजली चोरी संबंधी में उप मुख्य इंजीनियर हरजिंदर सिंह बांसल जालंधर सर्कल की देख-रेख में पूर्व मण्डल जालंधर, कैंट मण्डल जालंधर,माडल टाऊन जालंधर, पचमी मण्डल जालंधर,और फगवाड़ा मण्डल अधीन सुबह के समय चैकिंग की गयी।

इस चैकिंग दौरान जालंधर इलाको में पड़ते 2494 केस चेक किए गए जिस में 20 केस बिजली चोरी के 106 केस ओवर लोडिंग के और 8 केस यू यू ई के थे बिजली चोरी करने वालो के ऊपर 10.07 लाख का जुर्माना लगाया इसके इलावा बिजली चोरी करने वालो के खिलाफ बिजली एक्ट 2003 के मुताबिक शेषन 135 के अधीन पुलिस डिवीज़न में मामला दर्ज भी करवाया जा रहा है ।

उप मुख्य इंजीनियर हरजिंदर सिंह बांसल जालंधर की तरफ से यह अपील की गई कि बिजली चोरी एक समाजिक बुराई है यदि कोई भी बिजली चोरी करता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कारवाई की जाएगी। बिजली चोरी का मामला किसी के ध्यान में आता है वह सीधा इसकी जानकारी 96461-16301 में कॉल करके दे और जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी ।

भाजपा को नजरअंदाज करने की भूल न करे कांग्रेसी, हर जवाब देने में भाजपा है सक्षम

कांग्रेसियों द्वारा राजनीतिक सजिश के तहत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा पर किया गया हमला निंदनीय : सुशील शर्मा

अश्वनी शर्मा पर कांग्रेसियों द्वारा किए जानलेवा हमले के विरुद्ध भाजपाइयों ने डीसी कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

• जालंधर/रवि

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा पर जालंधर में आयोजित कार्यक्रम से लौटते हुए जालंधर-पठानकोट राजमार्ग पर पड़ने वाले चलांग टोल प्लाजा पर कांग्रेसी गुंडों द्वारा राजनीतिक साजिश के तहत योजनाबद्ध तरीके किए गए जानलेवा हमले की भाजपा पुरजोर निंदा करती है। इस कातिलाना हमले के विरोध में पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिला-स्तरीय धरने प्रदर्शन किये। इसी कड़ी में जिला जालंधर शहरी के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में जालंधर जिला डीसी कार्यालय के समक्ष सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार तथा कैप्टन के गुंडाराज के विरुद्ध धरना देकर जम कर प्रदर्शन किया और कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहाकि कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने तथा जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे नीच हथकंडों पर उतरी हुई है। पहले युवा कांग्रेसी गुंडों ने अमृतसर व लुधियाना के भाजपा कार्यालयों में जबरन घुस कर गुंडागर्दी का नंगा नाच किया। पुलिस ने इन कांग्रेसी गुंडों के विरुद्ध किसी भी तरह का कोई कारवाई नहीं की और मूकदर्शक बन यह सब कुछ तमाशा देखती रही। रोज़ाना प्रदेश में कहीं न कहीं भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाया जा रहा है, उन पर झूठे मामले दर्ज किये जा रहे हैं। कांग्रेस का शुरू से इतिहास रहा है कि फूट डालो शासन करो और अपना शासन गुंडागर्दी के दम पर चलाती रही है ढ्ढ आज जब कैप्टन अमरिंदर सिंह तथा पंजाब कांग्रेस का प्रदेश की जनता में विश्वास खत्म हो चुका है तो यह लोग अपना वर्चस्व बचाने के लिए नीच राजनीति पर उतर आए हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह पंजाब का शांतमय और भाईचारे वाले माहौल को दोजख की आग में झोकना चाहते हैं, लेकिन भाजपा कैप्टन अमरिंदर सिंह व कांग्रेस के ऐसे हथकंडों को कभी भी कामयाब नहीं होने देगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पर हुए कातिलाना हमले को भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी और इसी के चलते भाजपा कार्यकर्त्ता आज सडकों पर उतरे हैं ढ्ढ काग्रेस अगर अपनी ऐसी ओच्छी हरकतों से बाज नहीं आई तो भाजपा कार्यकर्ता इसका जवाब देने के लिए पूरी तरह सक्षम है और कांग्रेस की ऐसी ओछी हरकतों का जवाब देने के लिए हर पल तैयार है। इस धरने में मुख्य रूप से उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोरंजन कालिया, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश राठौर, कृष्ण देव भंडारी, विनोद शर्मा, महेंद्र भगत, अनिल सच्चर, दीवान अमित अरोड़ा,मिंटा कोछड़,राकेश गोयल,पूर्व मेयर सुनील ज्योति, शिवदयाल चुघ, सुरेंद्र महे, पूर्व जिला अध्यक्ष रमन पब्बी,सन्नीशर्मा, पुनीत शुक्ला, उर्मिल वैद,मीनू शर्मा, प्रवीण भारती, शैली खन्ना, रितु कौशल, विवेक खन्ना, जिला महामंत्री भगवंत प्रभाकर, राजीव ढींगरा, दविंद्र कालिया,प्रदीप खुल्लर,अनिल काला, राजेश कपूर, मनीष विज, अमित भाटिया,बृजेश शर्मा, जोली बेदी, रितेश मनु, अर्जुन खुराना, संजीव शर्मा मनी,हरजिंदर सिंह बाबू अरोड़ा, राजन शर्मा, साहिल शर्मा, अजय चोपड़ा, रॉक्सी उप्पल, राजेश जैन, बलजीत प्रिंस,अशोक सरीन, रोबिन सांपला,शीतल अंगुराल,किशन लाल शर्मा, डॉक्टर विनीत शर्मा,तेजिंदर वालिया, दिनेश शर्मा,वरुण नागपाल, पंकज सारंगल, राहुल चोपड़ा, सनी भगत, जय कल्याण, विक्की जुल्का, नीरज गुप्ता, नितिन पाठक, सौरभ शर्मा, अश्विनी अटवाल, अजमेर बादल, नितिन बहरोल, मनी कुमार, पंकज कालिया, नीरज जस्सल,सोनू हंस, सतपाल बठला, रंजीत आर्य, हितेश सयाल,कुलवंत शर्मा,रजिंदर शर्मा, सुनील कुकरेती, अशोक चड्ढा ,दविंदर अरोड़ा, अरुण शर्मा, पंकज जुल्का, राकेश विज, रमेश शर्मा, भूपिंदर सिंह,दविंदर पाल सिंह डिंपी लुबाना, मोहित भारद्वाज, अजय जगोता, सौरभ सेठ, अमित लूधरा,दविंदर भारद्वाज, अमरजीत सिंह,हरप्रीत बेदी, कांत करीर,मुनि लाल, भगत मनोहर लाल व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.